



गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय

(भारत की संसद के अधिनियम सं. 25, 2009 के तहत स्थापित)

CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT

(Established by an Act of Parliament of India, No 25 of 2009)

डॉ. सुनील कुमार शर्मा
जनसंपर्क अधिकारी

By Speed Post/By Email/By Hand

F.No.6-1/2024-PRO/05

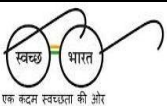
22th May, 2024

Greetings from Central University of Gujarat

भारतीयता और जीवन मूल्यों से जोड़ती है राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020

- भारतीय इतिहास संकलन समिति, गुजरात प्रांत एवं सीयूजी के संयुक्त तत्वावधान में एकदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

गांधीनगर। गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय एवं भारतीय इतिहास संकलन समिति, गुजरात प्रांत की ओर से बुधवार को गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। "भारतीय ज्ञान परंपरा एवं मानवीय मूल्य" विषय पर आयोजित संगोष्ठी में मुख्य अतिथि अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना के राष्ट्रीय संगठन सचिव, डॉ. बालमुकुन्द पांडेय ने कहा कि जो मूल्य हमारे लोकहित में समाहित है वो ही हमारे मानवीय मूल्य है। उन्होंने बताया कि मैकाले की शिक्षा पद्धति से ही देश में ज्ञान की शून्यता आई, इससे पूर्व देश एक वैभवशाली राष्ट्र था जो ज्ञान और विज्ञान के क्षेत्र में सम्पन्न था। हमारी भावी पीढ़ी के लिए आवश्यक है कि हम उन्हें मातृ भाषा में ही शिक्षा प्रदान करें। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 से विस्मृत समाज को फिर से जागृत किया जा रहा है। एनईपी-2020 हमें भारतीयता और जीवन मूल्यों से जोड़ती है। उन्होंने आगे कहा कि हमारी ज्ञान परंपरा समुद्र के समान विशाल है। उन्होंने आगे कहा कि हमारे धर्म ग्रंथ ही हमारे जीवन आधार है, जिनसे हमारी ज्ञान परंपरा संपादित होती रही है। हमें मूल्यपरक शिक्षा को आगे बढ़ाना होगा। संगोष्ठी की शुरुआत मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन से हुई। संगोष्ठी के मुख्य वक्ता, जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर के पूर्व कुलपति प्रो. प्रवीण चंद्र त्रिवेदी ने कहा कि हमारी ज्ञान परंपरा अद्वितीय ज्ञान एवं विज्ञान का प्रतीक है। प्रो. त्रिवेदी ने कहा कि भारत सदैव ही ज्ञान व विज्ञान का भंडार रहा है। हमारे यहां विभिन्न कलाओं और साधनाओं का उद्भव हुआ है। मानव का विकास भी व्यष्टि से समष्टि की ओर हुआ है। उन्होंने अध्यात्म को विज्ञान से जोड़ने की आवश्यकता पर बल दिया। इस दौरान उन्होंने प्रकृति के उचित दोहन की बात कही। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि भारतीय इतिहास संकलन योजना के राष्ट्रीय सचिव डॉ. गिरिशभाई ठाकर ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा में मनु की संतान को मानव नाम दिया गया। पूरी ज्ञान परंपरा में सिर्फ एक विचारधारा समान है की जीवन व्यक्तमध्य है। उन्होंने कहा कि



सेक्टर-29, गांधीनगर-382030, फोन नं.- 8963840032, फेक्स-07923260076

Sector-29, Gandhinagar, Phone No.8963840032, Fax-07923260076

Email: pro@cug.ac.in, website: www.cug.ac.in





गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय

(भारत की संसद के अधिनियम सं. 25, 2009 के तहत स्थापित)

CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT

(Established by an Act of Parliament of India, No 25 of 2009)

डॉ. सुनील कुमार शर्मा
जनसंपर्क अधिकारी

By Speed Post/By Email/By Hand

हमारी वैचारिक परंपरा न्यूटन के गुरुत्वाकर्षण शक्ति की खोज से भी पूर्व की है। हमें कण-कण में जीवन का चैतन्य मानते हुए आगे बढ़ना होगा। हमारे वेदों में भी मनुर्भवः के बारे में कहा गया है।

भारत एक शब्द नहीं बल्कि एक मंत्र है

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रमाशंकर दूबे ने कहा कि भारत एक शब्द नहीं है बल्कि एक मंत्र है। भारतभूमि संस्कार और शील की भूमि है। भारत ज्ञान का उद्गम स्थल रहा है। हमारी अध्यात्म प्रदान संस्कृति है। हमारे वेद आध्यात्मिक एवं भौतिक ज्ञान के स्रोत हैं। उन्होंने कहा कि हमारे वेदों में भौतिक ज्ञान का पूर्ण वर्णन है। उन्होंने कहा कि एनर्जी का वर्णन सर्वप्रथम अथर्ववेद में बताया गया है। हमारे यहां धर्म को कर्तव्य से जोड़ा गया है। धर्म वो है, जिससे लोकहित और परलोक हित दोनों समाहित हों। उन्होंने महामना पंडित मदन मोहन मालवीय जी के शिक्षा के प्रति विचारों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि यह एक मात्र ऐसी शिक्षा नीति है जो वैश्विक मानव तैयार करने में अपनी भूमिका का निर्वाह कर रही है।

इस अवसर पर संगोष्ठी के संयोजक एवं गांधीवादी विचार एवं शांति अध्ययन के विभागाध्यक्ष प्रो. जनक सिंह मीना ने अपने स्वागत वक्तव्य और संगोष्ठी की रूपरेखा प्रस्तुत की। इस अवसर पर प्रो. मीना की नई पुस्तक का भी विमोचन किया गया। मंच संचालन प्रो. पल्लवी शर्मा ने किया। भारतीय इतिहास संकलन समिति के डॉ. राजेश चौहान ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

National Education Policy-2020 connects with Indian identity and values

A one-day national conference was organized in collaboration with the Indian History Compilation Committee, Gujarat State and CUG

Gandhinagar. The conference titled "Indian Knowledge Tradition and Human Values" was organized at Central University of Gujarat on Wednesday. Speaking at the conference, Dr. Balmukund Pandey, Rashtriya Sangthan Sachiv of the Bhartiya Itihas Sankalan Yojana, said that the values that are inherent in our welfare are our human values. He explained that it was due to Macaulay's education system that a void of knowledge occurred in the country before which the country was a prosperous nation rich in knowledge and science. It is necessary for our future



सेक्टर-29, गांधीनगर-382030, फोन नं.- 8963840032, फेक्स-07923260076

Sector-29, Gandhinagar, Phone No.8963840032, Fax-07923260076

Email: pro@cug.ac.in, website: www.cug.ac.in





गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय

(भारत की संसद के अधिनियम सं. 25, 2009 के तहत स्थापित)

CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT

(Established by an Act of Parliament of India, No 25 of 2009)

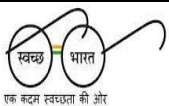
डॉ. सुनील कुमार शर्मा
जनसंपर्क अधिकारी

By Speed Post/By Email/By Hand

generations to provide them with an education in the mother language. The National Education Policy-2020 is reconnecting the forgotten society with Indianness and human values. He further said that our knowledge tradition is as vast as the ocean. He said that our scriptures are the foundation of our life, from which our knowledge tradition has been developed. We need to promote value-based education. The conference began with the lighting of the lamp before Goddess Saraswati. The keynote speaker of the conference, former Vice Chancellor of Jai Narayan Vyas University, Jodhpur, Prof. Pravin Chandra Trivedi said that our knowledge tradition is a symbol of our unique knowledge and science. Prof. Trivedi said that India has always been a reservoir of knowledge and science. Various arts and instruments have also originated here. Human development has also progressed from individual to community. He emphasized the need to connect spirituality with science. During this, he mentioned the proper absorption of nature. Dr. Girishbhai Thakkar, National Member of the Indian History Compilation Committee, said that in the Indian knowledge tradition, the offspring of Manu was named as human. There is only one ideology in the entire knowledge tradition that life is central. He said that our rational tradition is also older than Newton's discovery of gravity. We need to move forward while considering life consciousness in every particle. It is also mentioned in our Vedas about the origin of Manu.

India is not just a word, but a mantra

While presiding over the program, Vice Chancellor of CUG, Prof. Rama Shanker Dubey said that India is not a word but a mantra. The land of India is the land of culture and character. India has been the birthplace of knowledge. Our spirituality is the provider of culture. Our Vedas are the source of spiritual and physical knowledge. He said that the complete description of physical knowledge is given in our Vedas. He said that energy is described first in Atharvaveda. Religion is connected to duty here. Religion is that which takes care of both worldly and otherworldly welfare. He discussed the thoughts on education of Mahamana Pandit Madan Mohan Malaviya. He said that this is the only education policy that is fulfilling its role in preparing global humans.



सेक्टर-29, गांधीनगर-382030, फोन नं.- 8963840032, फेक्स-07923260076

Sector-29, Gandhinagar, Phone No.8963840032, Fax-07923260076

[Email: pro@cug.ac.in](mailto:pro@cug.ac.in), [website: www.cug.ac.in](http://www.cug.ac.in)





ગુજરાત કેન્દ્રીય વિશ્વવિદ્યાલય

(ભારત કી સંસદ કે અધિનિયમ સં. 25, 2009 કે તહત સ્થાપિત)

CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT

(Established by an Act of Parliament of India, No 25 of 2009)

ડૉ. સુનીલ કુમાર શર્મા
જનસંપર્ક અધિકારી

By Speed Post/By Email/By Hand

On this occasion, the convener of the conference and head of the Department of Gandhian Thought and Peace Studies, Prof. Janak Singh Meena, delivered the welcome address and outlined the conference agenda. The moderation was done by Prof. Pallavi Sharma. Dr. Rajesh Chauhan, representing the Indian History Compilation Committee, expressed gratitude to all the guests and participants.

ભારતીયતા અને જીવન મૂલ્યો સાથે જોડે છે રાષ્ટ્રીય શિક્ષણ નીતિ-2020

- ભારતીય ઇતિહાસ સંકલન સમિતિ, ગુજરાત પ્રાંત અને CUG ના સંયુક્ત ઉપક્રમે એક દિવસીય રાષ્ટ્રીય પરિસંવાદનું આયોજન.

ગાંધીનગર. સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટી ઓફ ગુજરાત અને ભારતીય ઇતિહાસ સંકલન સમિતિ, ગુજરાત રાજ્ય દ્વારા બુધવારે સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટી ઓફ ગુજરાત ખાતે રાષ્ટ્રીય સેમિનારનું આયોજન કરવામાં આવ્યું હતું. “ભારતીય જ્ઞાન પરંપરા અને માનવીય મૂલ્યો” વિષય પર આયોજિત સેમિનારમાં મુખ્ય અતિથિ તરીકે આવેલા અખિલ ભારતીય ઇતિહાસ સંકલન યોજનાના રાષ્ટ્રીય સંગઠન સચિવ ડૉ.બાલમુકુંદ પાંડેએ જણાવ્યું હતું કે જે મૂલ્યો આપણા જનહિતમાં સમાવિષ્ટ છે તે આપણા માનવીય મૂલ્યો છે. તેમણે કહ્યું કે મેકોલેની શિક્ષણ પ્રણાલીના કારણે જ દેશમાં જ્ઞાનનો અભાવ આવ્યો, તે પહેલા દેશ એક સમૃદ્ધ રાષ્ટ્ર હતું જે જ્ઞાન અને વિજ્ઞાનના ક્ષેત્રમાં સમૃદ્ધ હતું. આપણી ભાવી પેઢીઓને તેમની માતૃભાષામાં જ શિક્ષણ આપવું આવશ્યક છે. રાષ્ટ્રીય શિક્ષણ નીતિ-2020 દ્વારા ભુલાઈ ગયેલા સમાજને ફરીથી જાગૃત કરવામાં આવી રહ્યો છે. NEP-2020 આપણને ભારતીયતા અને જીવન મૂલ્યો સાથે જોડે છે. તેમણે વધુમાં કહ્યું કે આપણી જ્ઞાન પરંપરા



સેક્ટર-29, ગાંધીનગર-382030, ફોન નં.- 8963840032, ફેક્સ-07923260076

Sector-29, Gandhinagar, Phone No.8963840032, Fax-07923260076

Email: pro@cug.ac.in, website: www.cug.ac.in





ગુજરાત કેન્દ્રીય વિશ્વવિદ્યાલય

(ભારત કી સંસદ કે અધિનિયમ સં. 25, 2009 કે તહત સ્થાપિત)

CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT

(Established by an Act of Parliament of India, No 25 of 2009)

ડૉ. સુનીલ કુમાર શર્મા
જનસંપર્ક અધિકારી

By Speed Post/By Email/By Hand

મહાસાગર જેટલી વિશાળ છે, આપણા ધાર્મિક ગ્રંથો આપણા જીવનનો આધાર છે, જેમાંથી આપણી જ્ઞાન પરંપરાનું સંપાદન થયું છે. આપણે મૂલ્ય શિક્ષણને આગળ વધારવું પડશે. સંગોષ્ઠી નો આરંભ માતા સરસ્વતી સમક્ષ દીપ પ્રાગટ્ય સાથે થયો. સેમિનારના મુખ્ય વક્તા જય નારાયણ વ્યાસ યુનિવર્સિટી, જોધપુરના પૂર્વ વાઇસ ચાન્સેલર પ્રો. પ્રવીણચંદ્ર ત્રિવેદીએ જણાવ્યું હતું કે આપણી જ્ઞાન પરંપરા અનન્ય જ્ઞાન અને વિજ્ઞાનનું પ્રતિક છે. પ્રો. ત્રિવેદીએ કહ્યું કે ભારત હંમેશા જ્ઞાન અને વિજ્ઞાનનો ભંડાર રહ્યો છે. અહીં વિવિધ કળા અને પ્રથાઓ ઉભરી આવી છે. માણસ પણ વ્યક્તિમાંથી સામૂહિકમાં વિકાસ પામ્યો છે. તેમણે આધ્યાત્મિકતાને વિજ્ઞાન સાથે જોડવાની જરૂરિયાત પર ભાર મૂક્યો હતો. આ દરમિયાન તેમણે પ્રકૃતિના યોગ્ય શોષણ વિશે વાત કરી. કાર્યક્રમના અતિથિ વિશેષ તરીકે ભારતીય ઇતિહાસ સંકલન યોજનાના રાષ્ટ્રીય સચિવ ડો.ગીરીશભાઈ ઠાકરે જણાવ્યું હતું કે ભારતીય જ્ઞાન પરંપરામાં મનુના બાળકને માનવ નામ આપવામાં આવ્યું હતું. સમગ્ર જ્ઞાન પરંપરામાં એક જ વિચારધારા સમાન છે કે જીવન વ્યક્ત મધ્ય છે. તેમણે કહ્યું કે આપણી વૈચારિક પરંપરા ન્યુટન દ્વારા ગુરુત્વાકર્ષણની શક્તિની શોધ પહેલાની છે. દરેક ક્ષેત્રમાં રહેલી જીવનની ચેતનાને ધ્યાનમાં લઈને આપણે આગળ વધવાનું છે. આપણા વેદોમાં પણ મનુર્ભવ: વિશે કહેવામાં આવ્યું છે.

ભારત એક શબ્દ નથી પણ મંત્ર છે

કાર્યક્રમના અધ્યક્ષસ્થાને યુનિવર્સિટીના કુલપતિ પ્રો. રમાશંકર દુબેએ કહ્યું કે ભારત એક શબ્દ નથી પરંતુ મંત્ર છે. ભારત મૂલ્યો અને નૈતિકતાનો દેશ



સેક્ટર-29, ગાંધીનગર-382030, ફોન નં.- 8963840032, ફેક્સ-07923260076

Sector-29, Gandhinagar, Phone No.8963840032, Fax-07923260076

Email: pro@cug.ac.in, website: www.cug.ac.in





ગુજરાત કેન્દ્રીય વિશ્વવિદ્યાલય

(ભારત કી સંસદ કે અધિનિયમ સં. 25, 2009 કે તહત સ્થાપિત)

CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT

(Established by an Act of Parliament of India, No 25 of 2009)

ડૉ. સુનીલ કુમાર શર્મા
જનસંપર્ક અધિકારી

By Speed Post/By Email/By Hand

છે. ભારત જ્ઞાનનું પારણું રહ્યું છે. આપણી સંસ્કૃતિ આધ્યાત્મિક છે. આપણા વેદ આધ્યાત્મિક અને ભૌતિક જ્ઞાનનો સ્ત્રોત છે. તેમણે કહ્યું કે આપણા વેદોમાં ભૌતિક જ્ઞાનનું સંપૂર્ણ વર્ણન છે. તેમણે કહ્યું કે અથર્વવેદમાં પ્રથમ વખત ઊર્જાનું વર્ણન કરવામાં આવ્યું છે. અહીં ધર્મને ફરજ સાથે જોડવામાં આવ્યો છે. ધર્મ એ છે જેમાં જન કલ્યાણ અને પરલોકનું કલ્યાણ બંનેનો સમાવેશ થાય છે. તેમણે શિક્ષણ પ્રત્યે મહામાન પંડિત મદન મોહન માલવીયજીના વિચારોની ચર્ચા કરી. તેમણે કહ્યું કે આ એકમાત્ર શિક્ષણ નીતિ છે જે વૈશ્વિક માનવ તૈયાર કરવામાં પોતાની ભૂમિકા ભજવી રહી છે.

આ પ્રસંગે સેમિનારના કન્વીનર અને ગાંધીવિચાર અને શાંતિ અભ્યાસ વિભાગના વડા પ્રો. જનકસિંહ મીણાએ તેમનું સ્વાગત પ્રવચન અને પરિસંવાદની રૂપરેખા રજૂ કરી હતી. આ પ્રસંગે પ્રો. મીનાના નવા પુસ્તકનું વિમોચન પણ કરવામાં આવ્યું હતું. સ્ટેજ મેનેજમેન્ટ પ્રો. પલ્લવી શર્માએ કર્યું હતું. ભારતીય ઇતિહાસ સંકલન સમિતિના ડૉ.રાજેશ ચૌહાણે સૌનો આભાર માન્યો હતો.



સેક્ટર-29, ગાંધીનગર-382030.ફોન નં.- 8963840032, ફેક્સ-07923260076

Sector-29, Gandhinagar, Phone No.8963840032, Fax-07923260076

Email: pro@cug.ac.in, website: www.cug.ac.in





गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय

(भारत की संसद के अधिनियम सं. 25, 2009 के तहत स्थापित)

CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT

(Established by an Act of Parliament of India, No 25 of 2009)

डॉ. सुनील कुमार शर्मा
जनसंपर्क अधिकारी

By Speed Post/By Email/By Hand



सेक्टर-29, गांधीनगर-382030.फोन नं.- 8963840032, फेक्स-07923260076

Sector-29, Gandhinagar, Phone No.8963840032, Fax-07923260076

Email: pro@cug.ac.in, website: www.cug.ac.in





गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय

(भारत की संसद के अधिनियम सं. 25, 2009 के तहत स्थापित)

CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT

(Established by an Act of Parliament of India, No 25 of 2009)

डॉ. सुनील कुमार शर्मा
जनसंपर्क अधिकारी

By Speed Post/By Email/By Hand



With regards,

Your Truly,

Sunil Sharma

Dr. Sunil Kumar Sharma
Public Relations Officer
Central University of Gujarat,
Sector-29, Gandhinagar,
Gujarat, India-382030
+918963840032
Email Id – pro@cug.ac.in
Web www.cug.ac.in

Don't print unless it's necessary.... Let's save environment.



सेक्टर-29, गांधीनगर-382030.फोन नं.- 8963840032, फेक्स-07923260076

Sector-29, Gandhinagar, Phone No.8963840032, Fax-07923260076

Email: pro@cug.ac.in, website: www.cug.ac.in





गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय

(भारत की संसद के अधिनियम सं. 25, 2009 के तहत स्थापित)

CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT

(Established by an Act of Parliament of India, No 25 of 2009)

डॉ. सुनील कुमार शर्मा
जनसंपर्क अधिकारी

By Speed Post/By Email/By Hand



सेक्टर-29, गांधीनगर-382030, फोन नं.- 8963840032, फेक्स-07923260076

Sector-29, Gandhinagar, Phone No.8963840032, Fax-07923260076

[Email: pro@cug.ac.in](mailto:pro@cug.ac.in), [website: www.cug.ac.in](http://www.cug.ac.in)

